गोंय विद्यापीठ
ताळगांव पठार
गोंय - ४०३ २०६
फोन: +९१-८६६९६०९०४८

Goa University
Taleigao Plateau, Goa - 403 206
Tel : +91-8669609048
Email : registrar@unigoa.ac.in
Website: www.unigoa.ac.in

(Accredited by NAAC)

GU/Acad –PG/BoS -NEP/2023/78/1 Date:24.05.2023

Ref: GU/Acad –PG/BoS -NEP/2022/339/2 dated 18.08.22

CIRCULAR

The In supersession to the above referred Circular, the updated approved Syllabus with revised Course Codes of the **Master of Arts in Hindi** Programme is enclosed.

The Dean/ Vice-Deans of the Shenoi Goembab School of Languages and Literature/ Principals of Affiliated Colleges offering the **Master of Arts in Hindi** Programme are requested to take note of the above and bring the contents of the Circular to the notice of all concerned**.**

ASHWIN VYAS LAWANDE
Digitally signed by ASHWIN VYAS LAWANDE
Date: 2023.05.24 15:52:47 +05'30'

(Ashwin Lawande)
Assistant Registrar – Academic-PG

To,

1. The Dean, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
2. The Vice-Deans, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
3. The Principals of Affiliated Colleges offering the Master in Arts in Hindi Programme.

Copy to:

1. The Chairperson, Board of Studies in Hindi
2. The Programme Director, MA Hindi, Goa University.
3. The Controller of Examinations, Goa University.
4. The Assistant Registrar, PG Examinations, Goa University.
5. Directorate of Internal Quality Assurance, Goa University for uploading the Syllabus on the University website.

गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्यमहाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

सत्र	कोड	पाठ्यक्रम	श्रेयांक
		Discipline Specific Core Course	
सत्र I	HIN-500	भाषाविज्ञान	**04**
	HIN-501	मध्यकालीन काव्य: व्यावहारिक समीक्षा	**04**
	HIN-502	भारतीय काव्यशास्त्र	**04**
	HIN-503	हिंदी कथा साहित्य	**04**
सत्र II	HIN-504	हिंदी भाषा: लिपि एवं व्याकरण	**04**
	HIN-505	पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र	**04**
	HIN-506	आलोचक और आलोचना	**04**
	HIN-507	नाटक एवं रंगमंच	**04**
सत्र I & II		**Discipline Specific Elective Course**	
	HIN-521	हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल	**04**
	HIN-522	आधुनिक हिंदी काव्य: व्यावहारिक समीक्षा	**04**
	HIN-523	आधुनिक गद्य की अन्य विधाएँ	**04**
	HIN-524	रचनाकार का विशेष अध्ययन: अमृतलाल नागर	**04**
	HIN-525	हिंदी संस्मरण साहित्य	**02**
	HIN-526	हिंदी आत्मकथा साहित्य	**02**
	HIN-527	हिंदी क्षेत्रों में अध्ययन-यात्रा	**02**
	HIN-528	भाषा और साहित्य: सामाजिक एवं सांस्कृतिक सर्वेक्षण	**02**
Research Specific Elective Course			
सत्र III & IV	HIN-600	शोध प्रविधि	**04**
	HIN-601	अकादमिक लेखन	**04**
	HIN-602	तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन	**04**
	HIN-603	साहित्य : विचार एवं दर्शन	**04**
	HIN-604	समकालीन हिंदी कविता: व्यावहारिक समीक्षा	**04**
	HIN-605	हिंदी गद्य: विविध विमर्श	**04**

		Optional Generic Course	
सत्र III	HIN-621	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य का इतिहास	**04**
	HIN-622	हिंदी गद्य का इतिहास	**04**
	HIN-623	भारतीय साहित्य	**04**
	HIN-624	जनसंचार एवं पत्रकारिता	**04**
	HIN-625	रचनात्मक लेखन	**04**
	HIN-626	प्रयोजनमूलक हिंदी	**04**
	HIN-627	लोक-साहित्य	**04**
	HIN-628	अनुवाद अध्ययन	**04**
	HIN-629	उत्तर आधुनिक विमर्श	**04**
		Discipline Specific Dissertation	
सत्र IV	HIN-675	लघु शोध प्रबंध	**16**

सत्र।

पाठ्यक्रम: HIN-500

पाठ्यक्रम का शीर्षक:भाषाविज्ञान

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा तथा इतिहास की संक्षिप्त जानकारी होना आवश्यक है।	**घंटे**
उद्देश्य	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषा और भाषाविज्ञान के विविध पहलुओं की जानकारी देना है। • भाषा, भाषा का विकास, भाषा की आवश्यकता, ध्वनियों का वर्गीकरणआदि से परिचित कराना। • रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान से परिचित कराना। • कोशविज्ञान और कोशों की परंपरा से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. भाषा और भाषाविज्ञान** • भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण और विशेषताएँ • भाषा-उत्पत्ति के सिद्धांत • भाषा और बोली : स्वरूप और अंतर • भाषाओं का वर्गीकरण	**10**
	2. ध्वनिविज्ञान • वाग्यंत्र : अर्थ और परिचय • स्वर-व्यंजन वर्गीकरण • स्वनिम : परिभाषा, भेद, संस्वन और वितरण • ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ	**12**
	3. रूपविज्ञान (पदविज्ञान) • रूपविज्ञान : स्वरूप-विवेचन • रूपिम : परिभाषा एवं भेद • रूपिमिक प्रक्रियाएँ : व्युत्पादन और रूपसाधन • रूपिमों का वितरण • शब्द वर्ग और व्याकरणिक कोटियाँ • रूप परिवर्तन : कारण और दिशाएँ	**12**
	4. वाक्यविज्ञान • वाक्य और वाक्यविज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप • अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद • वाक्य के प्रकार	**10**
	5. अर्थविज्ञान • अर्थ और अर्थविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप • शब्द और अर्थ का संबंध	**10**

	• अर्थ बोध के साधन और बाधक तत्त्व • अर्थ निर्णय के साधन • अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ	
	6. कोशविज्ञान • शब्दकोश की परंपरा • कोश निर्माण की प्रक्रिया • शब्दकोशों के मुख्य प्रकार	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, प्रस्तुतीकरण, भाषा प्रयोगशाला, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ख़ान, प्रो॰ इशरत. भाषाविज्ञान – प्रमुख आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 1995. 2) झा 'श्याम', डॉ॰ सीताराम. भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, 2015. 3) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. भाषाविज्ञान. किताब महल, इलाहाबाद, 2014. 4) द्विवेदी, कपिलदेव. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019. 5) मिश्र, प्रो॰ नरेश. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. संजय प्रकाशन, 2009. 6) वर्म्मा, रामचंद्र, कपूर, बदरीनाथ. कोश कला. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007. 7) शर्मा 'ऋषि', उमाशंकर. भाषाविज्ञान की रूपरेखा.चौखंभा क्लासिका, वाराणसी, 2022. 8) शर्मा, देवेंद्रनाथ, शर्मा, दीप्ति. भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2015. 9) शर्मा, रामकिशोर. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016. 10) शर्मा, रामविलास. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 11) सक्सेना, बाबूराम. सामान्य भाषाविज्ञान. हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2010. 12) सिंह, कृपाशंकर, सहाय, चतुर्भुज. आधुनिक भाषाविज्ञान. वाणी प्रकाशन, 2008.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी भाषा की उत्पत्ति, अवधारणा और विशेषताओं से अवगत होंगे। • भाषा, भाषा का विकास, भाषा की आवश्यकता, ध्वनियों का वर्गीकरणआदि से परिचित होंगे। • रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान से परिचित होंगे। • कोशविज्ञान और कोशों की परंपरा से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम:HIN-501

पाठ्यक्रम का शीर्षक: मध्यकालीन काव्य : व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	मध्यकालीन कवियों की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराना। • भक्तिकाल के कवियों से परिचित कराना। • भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत कराना। • भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना।	
पाठ्य विषय	मलिक मुहम्मद जायसी, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी एवं घनानंद के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड। चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएँ 1. मलिक मुहम्मद जायसी निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली,संपादक - आ॰ रामचंद्र शुक्ल: नखशिख - खंड। 2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं॰ आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : 1, 2, 5, 12, 20,39, 41, 77, 92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 224, 247 3.गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास रामचरितमानस:उत्तरकांड (पद संख्या 01 से 30 तक) 4.मीराँबाई - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराँबाई की पदावली – सं॰ परशुराम चतुर्वेदी : पद - i. मैं तो साँवरे के रंग राची ii. सखी मेरी नींद नसानी हो iii. तनक हरि चितवौ जी मोरी ओर	**12** **10** **10** **10**

	iv. हरि मेरे जीवन प्राण आधार v. बादल देख डरी हो स्याम vi. सुण लीजो बिनती मोरी vii. ज्यासंग मेरा न्याहा लगाया viii. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई ix. तुम बिन मेरो कौन ख़बर ले x. हरि गुन गावत नाचूँगी 5.बिहारी - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बिहारी रत्नाकर :श्री जगन्नाथदास'रत्नाकर'- दोहे संख्या : 4, 7, 10, 91, 93, 95, 96, 155,157, 158,163, 300, 322, 364, 499 6. घनानंद –निर्धारित पाठ्यपुस्तक- घनानंद कवित्त (सं॰) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : कवित्त संख्या – 2, 12, 15, 24, 40, 78, 87, 112, 140, 278	**10** **08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र	
संदर्भ ग्रंथ	1) अग्रवाल, पुरुषोत्तम. कबीरःसाखी और सबद.नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2016. 2) अग्रवाल, वासुदेव शरण. पद्मावत.लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 2000. 3) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसी ग्रंथावली -भाग 1, 2.हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयाग,1950. 4) गुप्त, माताप्रसाद. तुलसीदास.हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद, 1957. 5) तिवारी, गोपीनाथ (सं॰)-तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य.विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1973. 6) तिवारी, डॉ॰ रामचंद्र. कबीर – मीमांसा. लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 1995. 7) द्विवेदी, आ॰ हज़ारीप्रसाद. कबीर.राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 1995. 8) शुक्ल, आ॰ रामचंद्र. त्रिवेणी.नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1983. 9) शुक्ल, ललित. पद्मावत संदर्भ कोश. स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इंडिया, नई दिल्ली, 1999. 10) साही, विजयदेवनारायण. जायसी.हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद, 1993. 11) सिंह, डॉ॰ वासुदेव. कबीर, साहित्य, साधना और पंथ.संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1993. 12) सिंह, डॉ॰ वासुदेव. मध्यकालीन काव्यसाधना. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1981.	
अधिगम परिणाम	• मध्यकालीन काव्य की महत्ता से परिचित होंगे।	

	• भक्तिकाल के कवियों से परिचित होंगे। • भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत होंगे। • भक्तिकाल की प्रासंगिकता को समझ पाएँगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-502

पाठ्यक्रम का शीर्षक:भारतीय काव्यशास्त्र

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भारतीय काव्यशास्त्र की सामान्यजानकारी होना आवश्यक है।	**घंटे**
उद्देश्य	• काव्य की अवधारणा से परिचित कराना। • काव्य के विविध रूपों से परिचित कराना। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित कराना। • भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**काव्य की अवधारणा** • काव्य का स्वरूप • काव्य के लक्षण • काव्य के तत्त्व • काव्य के हेतु • काव्य के प्रयोजन • काव्य के विविध रूप	**12**
	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - **रस सिद्धांत :**अवधारणा एवं स्वरूप • रस के भेद, साधारणीकरण • विभिन्न आचार्यों के मत • रस निष्पत्ति सिद्धांत के परवर्ती आचार्य भट्टलोल्लट - उत्पत्तिवाद शंकुक - अनुमितिवाद भट्टनायक - भुक्तिवाद अभिनव गुप्त – अभिव्यक्तिवाद	**12**
	अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं विवेचन • अलंकार : परंपरा एवं भेद	**08**
	रीति सिद्धांत :स्वरूप, परंपरा एवं भेद • रीति के आधारभूत तत्त्व - काव्य गुण, काव्य दोष, अलंकार	**08**
	ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं परंपरा • शब्द शक्तियाँ • ध्वनि के भेद	**08**

	वक्रोक्ति सिद्धांत :स्वरूप एवं परंपरा • वक्रोक्ति के भेद	**06**
	औचित्य सिद्धांत: स्वरूप एवं परंपरा औचित्य के भेद	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) उपाध्याय, बलदेव. भारतीय साहित्यशास्त्र. वाराणसी. 2) गुप्त, गणपतिचंद्र. साहित्यिक निबंध. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. 3) गुलाबराय, बाबू. सिद्धांत और अध्ययन. आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 2010. 4) चौधरी, सत्यदेव. भारतीय काव्यशास्त्र. अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली. 5) त्रिपाठी, राधावल्लभ. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी. 6) त्रिपाठी, राममूर्ति. भारतीय काव्य विमर्श. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 7) डॉ॰ नगेंद्र. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली. 8) बाली, डॉ॰ तारक नाथ. भारतीय काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2017. 9) मिश्र, भगीरथ. काव्यशास्त्र. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016. 10) शुक्ल, रामबहोरी. काव्य प्रदीप. हिंदी भवन, इलाहाबाद, 2012. 11) सिंह, योगेंद्र प्रताप. भारतीय काव्यशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.	
अधिगम परिणाम	• काव्य की अवधारणा से परिचित होंगे। • काव्य के विविध रूपों से परिचित होंगे। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित होंगे। • भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-503

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी कथा साहित्य

श्रेयांक: 04(60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	कथा की मौखिक एवं लिखित परंपरा का ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
(उद्देश्य	• हिंदी कथा साहित्य के उद्भव, विकास एवं परिवेश से परिचित कराना। • हिंदी कथा साहित्य पढ़ने में रुचि विकसित कराना। • विद्यार्थियों की विश्लेषण-क्षमता विकसित कराना। • विद्यार्थियों की रचनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्य विषय	1. हिंदी कथा साहित्य: उद्भव और विकास	**10**
	2. निर्धारित रचनाएँ कहानियाँ: • माधवराव सप्रे- एक टोकरी-भर मिट्टी • जयशंकर प्रसाद- पुरस्कार • अज्ञेय- मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई • मन्नू भंडारी- त्रिशंकु • गीतांजलि श्री - बेलपत्र • हरपाल सिंह 'अरुष'- और वह साधु बन गया उपन्यास: • प्रेमचंद- गोदान • धर्मवीर भारती- गुनाहों का देवता • रणेंद्र - ग़ायब होता देश	**20** **30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) प्रेमचंद. गोदान. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2020. 2) भारती, धर्मवीर. गुनाहों का देवता. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2014. 3) रणेंद्र. ग़ायब होता देश. पेंगविन बुक्स इंडिया, 2014.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) झाल्टे, डॉ॰ दंगल. उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987. 2) त्रिपाठी, विश्वनाथ. कहानी के साथ-साथ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 3) बांदिवडेकर, चंद्रकांत. आधुनिक हिंदी उपन्यास: सृजन और	

	आलोचना. नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली,1985. 4) मधुरेश. हिंदी कहानी का विकास. सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद,2018. 5) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-1 (1900 से 1950). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2014. 6) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-2 (1951 से 1975). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 7) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-3 (1976 से 2010). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 8) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कथा साहित्य. ग्रंथ निकेतन, पटना,1965. 9) श्रीवास्तव, गरिमा (सं॰). उपन्यास का समाजशास्त्र. संजय प्रकाशन,नई दिल्ली,2006. 10) सिंह, नामवर. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008. 11) सिंह, पुष्पपाल. समकालीन कहानियाँ: नया परिप्रेक्ष्य. सामयिक प्रकाशन, दिल्ली,2011.	
अधिगम परिणाम	• हिंदी कथा साहित्य के उद्भव, विकास एवं परिवेश से परिचित होंगे। • हिंदी कथा साहित्य पढ़ने में रुचि विकसित होगी। • हिंदी कथा साहित्य की समीक्षा कर पाएँगे। • विद्यार्थियों की रचनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा।	

सत्र II

पाठ्यक्रम: HIN-504

पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा तथा व्याकरण की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है।	**घंटे**
उद्देश्य	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी देना है। • हिंदी भाषा समुदाय से परिचित कराना। • व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित कराना। • देवनागरी लिपि की विशेषताओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी भाषा काविकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** • विश्व की भाषाओं में हिंदी तथा भारोपीय परिवार • प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत और अपभ्रंश • आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ	**15**
	2. हिंदी भाषा समुदाय • हिंदी शब्द का अर्थ और प्रयोग • हिंदी की बोलियाँ : राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, पूर्वी और पश्चिमी हिंदी • हिंदी की विभाषाएँ : हिंदवी, दक्खिनी हिंदी, रेख़्ता, उर्दू, हिंदुस्तानी	**10**
	3. व्याकरण • हिंदी शब्द रचना : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय • **व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर हिंदी शब्द वर्ग** **1) विकारी शब्द** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया **2) अविकारी शब्द :**क्रिया विशेषण, संबंधसूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक, निपात	**15**
	• **व्याकरणिक कोटियाँ :** लिंग, वचन, कारक, काल • शब्दों का वर्गीकरण • विराम चिह्न	**10**
	4. देवनागरी लिपिका उद्भव और विकास • लिपि : परिभाषा एवं प्रकार • देवनागरी लिपि का इतिहास • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, विशेषताएँ एवं सीमाएँ	**10**

अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ओझा, रा॰ ब॰ पं॰ गौरीशंकर हीराचंद. भारतीय प्राचीन लिपिमाला. राजस्थानी ग्रंथाघर, जोधपुर, 2016. 2) गुरु, पं॰ कामताप्रसाद. हिंदी व्याकरण. प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2015. 3) तिवारी, उदयनारायण. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019. 4) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. हिंदी भाषा का इतिहास. वाणी प्रकाशन, 2014. 5) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, 2016, 2019. 6) पांडेय, डॉ॰ पृथ्वीनाथ. शुद्ध हिंदी कैसे बोलें, कैसे लिखें. सामयिक पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2019. 7) बाहरी, डॉ॰ हरदेव. हिंदी उद्भव, विकास और रूप. किताब महल, नई दिल्ली, 2021. 8) महरोत्रा, रमेशचंद्र. मानक हिंदी का व्यवहारपरक व्याकरण. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. 9) महिया, किशनाराम, शर्मा, विमलेश. हिंदी व्याकरणमाला. ज्ञानवितान प्रकाशन, अजमेर, 2020. 10) वर्म्मा, रामचंद्र. अच्छी हिंदी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. 11) सहाय, शिवपूजन, सं॰ मंगलमूर्ति. व्याकरण दर्पण. अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013. 12) सिंह, डॉ॰ ब्रज किशोर. हिंदी व्याकरण विमर्श. साहनी पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2019.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी पाएँगे। • हिंदी भाषा समुदाय से परिचित होंगे। • व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित होंगे। • देवनागरी लिपि की विशेषताओं परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-505
पाठ्यक्रम का शीर्षक:पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र
श्रेयांक: 04 (60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• पाश्चात्त्यकाव्यशास्त्र का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• पाश्चात्त्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत कराना। • पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो का अध्ययन कराना। • 21वीं सदी के पाश्चात्त्य काव्यचिंतन से परिचित कराना। • काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्राप्त कराना।	
पाठ्य विषय	**1.पाश्चात्त्य काव्यचिंतन का उद्भव एवं विकास** (प्राचीन यूनानी काव्यचिंतन से 21वीं सदी तक काक्रमिकविकास)	**12**
	2. प्रमुख पाश्चात्त्य चिंतकों के सिद्धांत 1) **प्लेटो:** काव्यप्रेरणा, अनुकरण, प्रत्ययवाद 2) **अरस्तू:** अनुकरण, त्रासदी, विरेचन 3) **लोंजाइनस:** उदात्तता 4) **कॉलरिज, वड्र्सवर्थ:** स्वच्छंदतावाद 5) **मैथ्यू आर्नल्ड:** कला और नैतिकता,आलोचना सिद्धांत 6) **क्रोचे:** अभिव्यंजनावाद 7) **आई॰ए॰रिचड्र्स:** मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत, अर्थ मीमांसा 8) **टी॰ एस॰ इलियट:** निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ सादृष्य,संवेदनशीलता का असाहचर्य	**06** **06** **06** **06** **06** **06** **06** **06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) गुप्त,गणपतिचंद्र.भारतीय एवं पाश्चात्त्य काव्य सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009 2) जैन, निर्मला.पाश्चात्त्य साहित्य चिंतन. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990 3) जैन, निर्मला,बाँठिया .कुसुम पाश्चात्त्य साहित्य चिंतन. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009 4) बाली,तारकनाथ.पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010 5) मिश्र,डॉ॰ सभापति.भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्त्य साहित्य-चिंतन. जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 6) मिश्र, डॉ॰ भगीरथ.पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 2016 7) मिश्र, सत्यदेव.पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2021 8) शर्मा, कृष्णलाल. यूनानी रोमी काव्यशास्त्र में उत्तर आभिजात्य	

	चिंतनधारा. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 9) शर्मा,देवेंद्रनाथ.पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016 10) सिंह, विजय बहादुर.पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र. अपरा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 11) Barry, Peter. Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory.Manchester University Press, 2002 12) Bennett, Andrew, wand Nicholas Royale.An Introduction to Literature, Criticism and Theory. Pearson Education Limited, 2009 13) Habib, M.A.R. Literary Criticism from Plato to the Present: An Introduction. Wiley-Blackwell, United Kingdom, 2011 14) Tilak, Dr. Raghukul. History and Principles of Literary Criticism. Rama Brothers, 2002	
अधिगम परिणाम	• पाश्चात्त्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत होंगे। • पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो से परिचित होंगे। • 21वीं सदी के पाश्चात्त्य काव्यचिंतन से परिचित होंगे। • काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्रदान होगी।	

पाठ्यक्रम: HIN-506
पाठ्यक्रम का शीर्षक:आलोचक और आलोचना
श्रेयांक: 04(60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आलोचना का व्यावहारिक रूप में प्रयोग और साहित्य के इतिहास का ज्ञान अपेक्षित।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को आलोचना की अवधारणा, इतिहास, स्वरूप, भेद आदि से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के विकास से परिचित कराना। • विद्यार्थियों कोशुक्लयुगीन आलोचना से लेकर मार्क्सवादी और अस्मितावादी आलोचना-दृष्टि से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विभिन्न आलोचकों के योगदान से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	1. आलोचना: अवधारणा, स्वरूप एवं भेद • आलोचना, समालोचना और समीक्षा में अंतर • आलोचक के गुण • आलोचक के दायित्व	**08**
	2. हिंदी आलोचना का विकास • भारतेंदुयुगीन आलोचना और नवजागरण • महावीरप्रसाद द्विवेदी और पुनर्जागरण • आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि • छायावादी कवियों की आलोचना दृष्टि	**12**
	3. शुक्लोत्तर आलोचना • हज़ारीप्रसाद द्विवेदी: मानवतावादी एवं सांस्कृतिक आलोचना • नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना	**08**
	4. मार्क्सवादी आलोचना • मार्क्सवादी आलोचना का परिचय • शिवदान सिंह चौहान	**12**
	5. आलोचक: विशेष अध्ययन • आचार्य रामचंद्र शुक्ल • रामविलास शर्मा • गजानन माधव 'मुक्तिबोध' • नामवर सिंह • निर्मला जैन • डॉ॰ धर्मवीर	**20**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अवस्थी, रेखा. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 2) चौहान, शिवदान सिंह. आलोचना के मान. संपादन:विष्णुचंद्र शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 1958.	

	3) जैन, निर्मला. नई समीक्षा के प्रतिमान. किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 4) जैन, निर्मला.हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 5) जैन, नेमिचंद (सं॰). मुक्तिबोध रचनावली भाग-4. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007. 6) जैन, नेमिचंद (सं॰). मुक्तिबोध रचनावली भाग-5. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007. 7) डॉ. धर्मवीर. कबीर के आलोचक. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2004 8) डॉ. रामबक्ष. समकालीन हिंदी आलोचक और आलोचना. हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1991 9) तिवारी, रामचंद्र.हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016. 10) त्रिपाठी, विश्वनाथ.हिंदी आलोचना. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 11) दास, डॉ॰ श्यामसुंदर. साहित्यालोचन. भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2007. 12) द्विवेदी, हज़ारीप्रसाद. साहित्य सहचर. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013. 13) नवल, नंदकिशोर.हिंदी आलोचना का विका ास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 14) प्रसाद, कमला. आलोचक और आलोचना. आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, 2002. 15) मधुरेश.हिंदी आलोचना का विकास. सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 16) शर्मा, रामविलास. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 17) शर्मा, रामविलास. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 18) सिंह, डॉ॰ बच्चन.हिंदी आलोचना के बीज शब्द. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी आलोचना की विकास यात्रा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी आलोचक के गुण, सीमाओं आदि से परिचित होंगे। • विद्यार्थी शुक्लयुगीन आलोचना से लेकर अस्मितावादी आलोचना की विशेषताओं से परिचित होंगे। • विद्यार्थी आलोचकों के आलोचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम : HIN-507

पाठ्यक्रम का शीर्षक :नाटक एवं रंगमंच

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	नाटक एवं रंगमंच से परिचित होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• नाटक के विकासक्रम का अध्ययन कराना। • रंगमंच के विकासक्रम का अध्ययन कराना। • भारतेंदु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत कराना। • हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कराना।	
पाठ्य विषय	**1. नाटक एवं रंगमंच :** स्वरूप एवं परंपरा का विकास। • संस्कृत नाट्य परंपरा। • मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा। • स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक एवं रंगमंच।	**15**
	2. निर्धारित नाटक • भारतेंदु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी	**06**
	• जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त	**08**
	• मोहन राकेश : आधे-अधूरे	**08**
	• शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य	**07**
	• भीष्म साहनी : माधवी	**08**
	• असग़र वजाहत : जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) प्रसाद, जयशंकर. चंद्रगुप्त. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2011. 2) राकेश, मोहन. आधे-अधूरे. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1990. 3) वजाहत, असग़र. जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ. वाणी प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली,2010. 4) शेष, शंकर. एक और द्रोणाचार्य. अभिनव प्रकाशन, मुंबई, 1978. 5) साहनी, भीष्म. माधवी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली, 2017. 6) हरिश्चंद्र, भारतेंदु. अंधेर नगरी. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2009.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ओझा, डॉ॰ दशरथ. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2017.	

2) ओझा, डॉ॰ मांधाता, सरदाना, डॉ॰ शशि. नाटक: नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, कलामंदिरदिल्ली, 2003.
3) कुमार, सिद्धनाथ. नाट्यालोचन के सिद्धांत, वाणी, नई दिल्ली2004.
4) गौतम, विकल. हिंदी नाटक : रंग, शिल्प, दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013.
5) चंदेर, डॉ॰ नाट्यचिंतन: नए संदर्भ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर, 1987.
6) चातक, गोविंद. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰ नई दिल्ली,2003.
7) चातक, गोविंद.हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, तक्षशिला, नई दिल्ली, 2002.
8) जैन, नेमिचंद्र. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक (संपादन). कश्मीरी गेट, राजपाल ऐंड सन्स, प्रकाशन दिल्ली, 1976.
9) जैन, नेमिचंद्र.रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996.
10) डॉ॰ अज्ञात.भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1997.
11) तनेजा, जयदेव.आधुनिक भारतीय रंगलोक, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2006.
12) तनेजा, जयदेव. समसामयिक हिंदी नाटको में चरित्र सृष्टि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 1971.
13) त्रिपाठी, डॉ॰ वशिष्ठ नारायण. भारतीय लोकनाट्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001.
14) परमार, श्याम. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 1956.
15) प्रसाद, डॉ॰ प्रसून.मोहन राकेश के नाटक : एक मूल्यांकन, आधार प्रा॰ लि॰ हरियाणा, 2008.
16) प्रेमलता.आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993.
17) रस्तोगी, गिरीश. मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975.
18) रस्तोगी, डॉ॰ गिरीश.समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, साहित्य अकादेमी, हरियाणा, 1990.
19) राकेश.अनीता, सतरें और सतरें, राधाकृष्ण, प्रा॰ लि॰ दिल्ली, 2002.
20) रानी, डॉ॰ गुरदीप.मिथक सिद्धांत और स्वरूप, बुकमार्ट पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009.
21) राय, डॉ॰ नरनारायण.रंगशिल्पी मोहन राकेश, कादंबरीप्रकाशन, नई दिल्ली, 1991.
22) सिंह, डॉ॰ राजेश्वरप्रसाद.मोहनराकेशकानाट्यशिल्प: प्रेरणाएवंस्रोत, अमितप्रकाशन, ग़ाज़ियाबाद, 1992.

अधिगम परिणाम	• नाटक के विकास से परिचित होंगे। • रंगमंच के विकास से परिचित होंगे। • नाटककारों के समकालीन परिवेशसे अवगत होंगे। • हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष से अवगत होंगे।	

सत्र I & II
पाठ्यक्रम: HIN-521
पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल
श्रेयांक: 04(60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्येतिहास का संक्षिप्त परिचय होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• इतिहास एवं साहित्येतिहास से संबंधित दृष्टिकोणों से अवगत कराना। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों एवं परंपरा का परिचय देना। • आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन परिवेश एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित करना। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन और परंपरा के महत्त्व को समझाना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका:** • इतिहास-दर्शन की रूपरेखा • साहित्येतिहास: परंपरागत दृष्टिकोण एवं नएसिद्धांत • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोत • हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा • काल विभाजन एवं नामकरण	**16**
	2. आदिकाल: • अपभ्रंश और हिंदी साहित्य • सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य • रासो काव्य की परंपरा और उसकी साहित्यिकता • लोक-साहित्य	**16**
	3. भक्तिकाल: • भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना • निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य एवं सूफ़ी काव्य) • सगुण काव्यधारा (कृष्ण एवं राम भक्ति काव्य)	**18**
	4. रीतिकाल: • रीतिकाल: उद्भव और विकास • दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य • रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ • रीतिकालीन साहित्य के अन्य पक्ष (वीर, भक्ति एवं नीति काव्य)	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,स्वाध्याय,संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, अभिलेखागार-भेंट	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) गुप्त, गणपतिचंद्र.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007. 2) गुप्त, गणपतिचंद्र. हिंदी साहित्येतिहास परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिद्धांत. अटलांटिक पब्लिशर्स ऐंड	

	डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 1989. 3) डॉ॰ नगेंद्र, डॉ॰ हरदयाल (सं॰). हिंदी साहित्य का इतिहास. मयूर पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2018. 4) द्विवेदी,हज़ारी प्रसाद. हिंदी साहित्य का आदिकाल. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2008. 5) पांडेय, मैनेजर. साहित्य और इतिहास दृष्टि. पेपरबैक्स वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021. 6) पांडेय, रामसजन (सं॰). हिंदी साहित्य का इतिहास. संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013. 7) मिश्र, डॉ॰ भगीरथ. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 8) राजे, डॉ॰ सुमन. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2016. 9) वर्मा, रामकुमार. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 10) शुक्ल, आ॰ रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास. मलिक ऐंड कंपनी, जयपुर, 2016.	
अधिगम परिणाम	• इतिहास एवं साहित्येतिहास से संबंधित दृष्टिकोणों से अवगत होंगे। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों एवं परंपरा का परिचय होगा। • आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के परिवेश एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन और परंपरा के महत्त्व को समझ सकेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-522

पाठ्यक्रम का शीर्षक: आधुनिक हिंदी काव्य: व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• आधुनिक हिंदी काव्य की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• आधुनिक हिंदी काव्य की विविध प्रवृत्तियों से परिचित कराना। • आधुनिक हिंदी कवियों की लेखन शैली का अध्ययन कराना। • आधुनिक युग की परिवेशगत जीवनानुभूतियों का स्वरूपांकन कराना। • आधुनिक हिंदी कविता की मूल संवेदना एवं भाषाई चेतना का अध्ययन कराना।	
पाठ्य विषय	**चयनित कवि एवं कविताएँ :** • **जयशंकर प्रसाद** कामायनी - आनंद सर्ग • **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** जूही की कली, भगवान बुद्ध के प्रति, कुकुरमुत्ता • **महादेवी वर्मा** मधुर मधुर मेरे दीपक जल, क्या पूजन क्या अर्चन रे, शलभ मैं शापमय वर हूँ, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो! • **सुभद्राकुमारी चौहान** मानिनि राधे, जलियाँवाले बाग़ में बसंत, मेरी कविता • **नागार्जुन** प्रतिबद्ध हूँ, अकाल और उसके बाद, मंत्र, प्रेत का बयान। • **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** मुझे क़दम-क़दम पर, मैं तुम लोगों से दूर हूँ, ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में। • **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'** यह दीप अकेला, नदी के द्वीप, सोन मछली, असाध्य वीणा।	**09** **08** **08** **08** **10** **08** **09**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्यसामग्री/	1) गुप्ता,रूपा(सं॰).सुभद्राकुमारी चौहान ग्रंथावली.स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली,2015.	

आधार ग्रंथ	2) जैन, नेमिचंद्र (सं॰).मुक्तिबोध समग्र. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 3) नवल, नंदकिशोर (सं॰).निराला रचनावली. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 4) पालीवाल, कृष्णदत्त (सं॰).अज्ञेय ग्रंथावली. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2011. 5) प्रतिनिधि कविताएँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 6) प्रसाद, जयशंकर.कामायनी. राजपाल ऐंड सन्स, नई दिल्ली, 2017. 7) वर्मा, महादेवी.यामा. भारती भंडार, इलाहाबाद,2018.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, राजेंद्र (सं॰).अँधेरे में का महत्त्व. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद सं॰ 2008. 2) गुप्त, दुर्गा प्रसाद.हिंदी में आधुनिकतावाद.अनंग प्रकाशन दिल्ली सं॰ 1998. 3) चतुर्वेदी, रामस्वरूप.आधुनिक कविता यात्रा. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2000. 4) डॉ॰ नगेंद्र.आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,1979. 5) डॉ॰ प्रेमशंकर (सं॰). हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य.मध्यप्रदेश हिंदी अकादमी, 1974. 6) डॉ॰ हरदयाल (सं॰). आधुनिक हिंदी कविता. शब्दाकार दिल्ली 1993. 7) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद (सं॰). निराला. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1997. 8) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद (सं॰). अज्ञेय.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1994. 9) पांडेय, अरविंद. हिंदी के कवि : रचना और शिल्प.अनुभव प्रकाशन, कानपुर,1986. 10) मदान, इंद्रनाथ (सं॰). कामायनी(मूल्यांकन और मूल्यांकन), 1967. 11) वाजपेयी, नंददुलारे. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1987. 12) श्रीवास्तव, परमानंद.निराला की कविताएँ (मूल्यांकन और मूल्यांकन). नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992. 13) सिंह, नामवर.छायावाद.राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1988. 14) सिंह, नामवर.कविता के नए प्रतिमान.राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990. 15) सिंह, नामवर.आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1991. 16) सैनी, राजकुमार.साहित्य स्रष्टा निराला.वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995.	
अधिगम परिणाम	• आधुनिक हिंदी काव्य की विविध प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। • आधुनिक हिंदी कवियों की लेखन शैली से अवगत होंगे। • आधुनिक युग के परिवेशगत जीवनानुभूतियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • आधुनिक हिंदी कविता की मूल संवेदना एवं भाषाई चेतना का ज्ञान	

	प्राप्त करेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-523
पाठ्यक्रम का शीर्षक:आधुनिक गद्य की अन्य विधाएँ
श्रेयांक: 04(60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रावृत्त आदि विधाओं की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को गद्य की इतर विधाओं-निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, डायरी आदि की जानकारी देना। • विद्यार्थियों को गद्य विधाओं के इतिहास से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. निबंध-** • प्रतापनारायण मिश्र- ट • हरिशंकर परसाई - साहित्य और नंबर दो का कारोबार • रामवृक्षबेनीपुरी - नींव की ईंट • विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है • सुशील सिद्धार्थ - मालिश महापुराण	**18**
	2. संस्मरण - महादेवी वर्मा : सुभद्राकुमारी चौहान सुधीर विद्यार्थी : मेरा राजहंस	**08**
	3. डायरी - गणेशशंकर विद्यार्थी की जेल डायरी	**10**
	4. यात्रावृत्त - राहुल सांकृत्यायन: किन्नर देश में	**14**
	5. आत्मकथा - प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) खेतान, प्रभा. अन्या से अनन्या. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 2) सलिल, सुरेश(संपादन). गणेशशंकर विद्यार्थी जेल डायरी. प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1981. 3) सांकृत्यायन, राहुल. किन्नर देश में. किताब महल, दिल्ली, 1948. 4) सिद्धार्थ, सुशील, मालिश महापुराण. सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2014.	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1) चतुर्वेदी, रामस्वरूप. गद्य विन्यास और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996. 2) तिवारी, रामचंद्र. हिंदी का गद्य साहित्य. चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987. 3) प्रकाश, अरुण. गद्य की पहचान. अंतिका प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 4) वर्मा, धीरेंद्र. हिंदी साहित्य कोश. ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी इतर विधाओं से परिचित होंगे। • विद्यार्थी इतर विधाओं के इतिहास और साहित्य से परिचित होंगे। • विद्यार्थीविधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-524
पाठ्यक्रम का शीर्षक:रचनाकार का विशेष अध्ययन : अमृतलाल नागर
श्रेयांक: 04(60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• साहित्य-समाज की साझी संस्कृति की जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• लखनऊ की साझी संस्कृति की जानकारी देना। • विद्यार्थियों को अमृतलाल नागर के साहित्य के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना। • अमृतलाल नागर की विचारधारा से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को अमृतलाल नागर के साहित्यिक परिवेश से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	1. अमृतलाल नागर • जीवन, परिवेश एवं रचनाएँ • वैचारिक दृष्टि	**05**
	2. निर्धारित पाठ्य सामग्री • कहानियाँ: प्रायश्चित, लखनवी होली, एक दिल हज़ार अफ़साने • उपन्यास: भूख, मानस का हंस	**20**
	3. निबंध: • भारतीय साहित्य में प्रेमचंद का स्थान • अवध और उसकी संस्कृति • भारतीय साहित्य कुछ सवाल	**08**
	4. संस्मरण: • गढ़कोला में पहली निराला जयंती • तीस बरस का साथी रामविलास शर्मा • किसान कवि पढ़ीस • जौनपुर का एक असाधारण साधारण पुरुष	**14**
	5. पैरोडी कविताएँ • किसान • जूही की कली	**02**
	6. फ़िल्म: कल्पना	**02**
	7. नाटक: युगावतार	**04**
	8. आत्मकथाः टुकड़े-टुकड़े दास्तान	**05**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) नागर, अमृतलाल. एक दिल हज़ार अफ़साने(अमृतलाल नागर की संपूर्ण कहानियाँ). राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 2015. 2) नागर, अमृतलाल. हम फ़िदा-ए-लखनऊ.राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 2015. 3) नागर, अमृतलाल. भूख.राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 2016 .	

	4) नागर, अमृतलाल. मानस का हंस. राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 2014. 5) नागर, अमृतलाल. टुकड़े-टुकड़े दास्तान.राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 2017. 6) नागर, अमृतलाल. साहित्य और संस्कृति (साहित्यिक एवं ललित निबंधों का संकलन).राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली, 1987.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कौशिक, हेमराज. अमृतलाल नागर के उपन्यास.प्रकाशनसंस्थान, दिल्ली, 1985. 2) जैन, ज्ञानचंद.कथाशेष.राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999. 3) डॉक्टर रामरती. अमृतलाल नागर के उपन्यासों में चित्रित राजनीति.संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2008. 4) त्रिपाठी, नागेश. अमृतलाल नागर के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन.वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर, 1993. 5) नागर,शरद (संकलन एवं संपादन) अमृतलाल नागर.फ़िल्मक्षेत्रे-रंगक्षेत्रे. वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2003. 6) यादव, उषासिंह, राजकिशोर(सं॰). हिंदी बाल साहित्य एवं बाल विमर्श.सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 7) राय, गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास(1951-1975).राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011 8) शर्मा, विष्णुचंद्र (संपादन) पक्षधर यथार्थ के कथाकार.यशपाल, अमृतलाल नागर, रेणु. स्वराज प्रकाशन दिल्ली, 2001.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी साझी संस्कृति से परिचित होंगे। • विद्यार्थी लखनऊ के रहन सहन, खानपान, भाषा आदि से परिचित होंगे। • विद्यार्थी अमृतलाल नागर के साहित्य में अभिव्यक्त परिवेश से परिचित होंगे। • विद्यार्थी अमृतलाल नागर की विचारधारा वहाँ के साहित्यिकों से जानेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-525
पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी संस्मरण साहित्य
श्रेयांक: 02(30)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	संस्मरणविधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को संस्मरणविधा की जानकारी कराना। • विद्यार्थियों को संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	• संस्मरण साहित्य: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास	**08**
	• निर्धारित संस्मरण 1) हरकिशन सिंह सुरजीत: संगठित किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती 2) फणीश्वरनाथ रेणु: अपने-अपने त्रिलोचन 3) मंटो: इस्मत चुग़ताई और मैं 4) कांतिकुमार जैन: बैकुंठपुर में बचपन 5) विजयमोहन सिंह: एक दरवेश की दास्तान(भीष्म साहनी) 6) सिद्धार्थ सिंह: नामवर सिंह और नामवर बाबूजी 7) अनीता राकेश: चंद सतरें	**22**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, सुवास(सं॰). फणीश्वरनाथ रेणु संचयिता. मेधा बुक्स, शाहदरा दिल्ली, 2003. 2) डॉ॰ हरिमोहन. साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार.वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997. 3) धूमकेतु, जयप्रकाश. राहुल सांकृत्यायन : स्वप्न और संघर्ष(सं॰). प्रभाष प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008. 4) वर्मा,डॉ॰ धीरेंद्र. (प्रधान संपादक), वर्मा, ब्रजेश्वर. भारती, धर्मवीर. चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संयोजक) हिंदी साहित्य कोश भाग-1(पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1985. 5) व्यास, ज्योति. आधुनिक हिंदी साहित्य में आत्मकथा और संस्मरण विधा.अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2015. 6) शर्मा,डॉ॰ मनोरमा. संस्मरण और संस्मरणकार. आराधना ब्रदर्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश, 1988.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी संस्मरणविधा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-526
पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी आत्मकथा साहित्य
श्रेयांक: 02(30)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आत्मकथा विधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को आत्मकथा विधा की जानकारी कराना। • विद्यार्थियों को विभिन्न आत्मकथाओं के माध्यम से लेखक के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	• आत्मकथा: • अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास	**11**
	• निर्धारित आत्मकथाएँ 1) यशपाल: सिंहावलोकन 2) निर्मला जैन: ज़माने में हम 3) तुलसीराम: मुर्दहिया 4) रमणिका गुप्ता: हादसे	**19**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) गुप्ता, रमणिका. आपहुदरी (एक ज़िद्दी लड़की की आत्मकथा), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 2) जैन, निर्मला. ज़माने में हम. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 3) तुलसीराम, मुर्दहिया. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 4) यशपाल. सिंहावलोकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) चतुर्वेदी, पंकज. आत्मकथा की संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 2) डॉ॰ हरिमोहन. साहित्यिक विधाएँ पुनर्विचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997. 3) वर्मा, डॉ॰ धीरेंद्र. (प्रधान संपादक), वर्मा, ब्रजेश्वर. भारती, धर्मवीर. चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संयोजक) हिंदी साहित्य कोश भाग-1 (पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1985. 4) 'विद्यालंकार', डॉ॰ विश्वबंधु शास्त्री. हिंदी का आत्मकथा साहित्य, राधा प्रकाशन दिल्ली, 1984. 5) सिंदल, डॉ॰ आनंद. आत्मकथा: साहित्य, सिद्धांत और समीक्षा, अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2014.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी आत्मकथा विधा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विभिन्न आत्मकथाओं के माध्यम से लेखक के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-527
पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी क्षेत्रों में अध्ययन-यात्रा
श्रेयांक: 02 (30)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अध्ययन-यात्रा में रुचि होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को अध्ययन-यात्रा के स्वरूप से परिचित कराना। • क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित कराना। • छात्रों में दल-निष्ठा, नेतृत्व क्षमता, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन और शोध-प्रवृत्ति को परखना एवं विकसित कराना। • पुरातात्त्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करना।	
पाठ्य विषय	• अध्ययन-यात्रा: स्वरूप एवं विशेषताएँ • पूर्व योजना: टिकट आरक्षण, सामान बाँधना, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन, जाँच-सूची, ऑनसाइट रेखाचित्रण, फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियो आदि का संक्षिप्त परिचय।	**04**
	• निर्धारित रचनाएँ: 1. राहुल सांकृत्यायन: घुमक्कड़ शास्त्र 2. कृष्णा सोबती: बुद्ध का कमंडल लद्दाख • हिंदी क्षेत्र: दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश (इसमें से किसी एक क्षेत्र में अध्ययन-यात्रा कर वहाँ की भौगोलिक संरचना, ऐतिहासिक महत्त्व, परिवेश, लोक-जीवन, बोली-भाषा, खाद्य-संस्कृति, साहित्य, नृत्य, वास्तुकला, समस्याओं आदि का अध्ययन करना अपेक्षित है) • अध्ययन-यात्रा से संबंधित रिपोर्ट लेखन	**02** **20** **04**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1. सांकृत्यायन, राहुल. घुमक्कड़शास्त्र. किताब महल, नई दिल्ली, 2020. 2. सोबती, कृष्णा. बुद्ध का कमंडल लद्दाख़. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. चंद्र, मोती. काशी का इतिहास. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1985. 2. जोशी, मनोहर श्याम. लखनऊ मेरा लखनऊ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002. 3. रुसवा, मिर्ज़ाहादी. लखनऊ की नगर वधू. शरद	

	प्रकाशन, दिल्ली, 1976.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी अध्ययन-यात्रा के स्वरूप को समझेंगे। • क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित होंगे। • छात्र अपने अंदर दल-निष्ठा, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन, नेतृत्व क्षमता, और शोध-प्रवृत्ति आदि को परखेंगे और उसे विकसित करेंगे। • पुरातात्त्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करेंगे।	

पाठ्यक्रम:HIN-528

पाठ्यक्रम का शीर्षक: भाषा और साहित्य: सामाजिक एवं सांस्कृतिक सर्वेक्षण

श्रेयांक: 02 (30)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• ग्रामीण क्षेत्रों के प्रति जिज्ञासा अपेक्षित है। • भारतीय समाज की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• गाँवों की सामाजिक समस्याओं को समझाना। • समस्याओं के संभावित समाधानों का अन्वेषण कराना। • लोकसंस्कृति का अध्ययन कराना। • क्षेत्रीय अध्ययन एवं संशोधन के लिए आधारभूमि तैयार कराना।	
पाठ्य विषय	निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर एक संक्षिप्त रपट प्रस्तुत करनी है। 1. गाँव की जनसंख्या। 2. समग्र शिक्षा अभियान। 3. हिंदी भाषा का ज्ञान। 4. साक्षरता दर। 5. सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश। 6. सामाजिक समस्याएँ। 7. व्यवसाय एवं आर्थिक स्थिति। 8. यातायात सुविधा। 9. नेटवर्क सुविधा। 10. लोकसंस्कृति। 11. पर्यावरण तथा अन्य समस्याएँ। 12. स्वच्छता अभियान की जानकारी। 13. गाँव के लोगों की अपेक्षाएँ।	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, भ्रमण,चर्चा-परिचर्चा, साक्षात्कार।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कपूर, सुदर्शन कुमार. भारत की सांस्कृतिक विरासतः एक परिदृश्य चित्र. एन॰बी॰टी॰, दिल्ली. 2) महाजन, सुचैता. सामाजिक बदलाव के लिए शिक्षा. एन॰बी॰टी॰, दिल्ली.	
अधिगम परिणाम	• गाँवों की सामाजिक समस्याओं को समझ पाएँगे। • समस्याओं के संभावित समाधानों का अन्वेषण करने में सक्षम होंगे। • लोकसंस्कृति का अध्ययन कर सकेंगे। • अगामी शोध-कार्य के समय क्षेत्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।	

सत्र III & IV

पाठ्यक्रम: HIN-600

पाठ्यक्रम का शीर्षक:शोध प्रविधि

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	शोध की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियोंको शोध के इतिहास तथा उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना। • विद्यार्थियोंको शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराना। • विद्यार्थियोंको शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित कराना। • विद्यार्थियोंको पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1.शोध की अवधारणा एवं स्वरूप** • शोध का इतिहास • शोध के प्रकार • शोध और आलोचना	**12**
	2. शोध की प्रविधि एवं पद्धति • प्राक् कल्पना • साहित्य सर्वेक्षण • विषय चयन • शोध की रूपरेखा • सामग्री संकलन • तथ्यानुसंधान • उद्धरण एवं संदर्भ • संदर्भ-ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट	**18**
	3. पाठानुसंधान की अवधारणा एवं समस्याएँ • पाठानुसंधान की प्रविधि • पाठ संकलन • पाठ चयन • पाठ निर्धारण • पाठानुसंधान की समस्याएँ	**18**
	4. शोध में कंप्यूटर का प्रयोग • इंटरनेट • भाषा और साहित्य संबंधी सॉफ़्टवेयर और वेबसाइट	**12**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-1.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1987. 2) अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-2.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1989. 3) कुमारी, शैल. शोध: तंत्र और सिद्धांत. लोकवाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1976. 4) तिवारी, सियाराम. पाठानुसंधान. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1987. 5) नगेंद्र.शोध सिद्धांत.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,1967. 6) पांडेय, गणेश. शोध प्रविधि.राधा पब्लिकेशन, दिल्ली, 2005. 7) बोरा, राजमल. अनुसंधान.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995. 8) मिश्र, राजेंद्र. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया.तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002. 9) शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1980. 10) शुक्ल, उमा. साहित्यिक शोध: प्रविधि एवं व्याप्ति.अरविंद प्रकाशन, मुंबई, 1990. 11) सिंघल, बैजनाथ. शोध स्वरूप एवं मानक कार्यविधि.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1994. 12) सिन्हा, सावित्री, स्नातक,विजयेंद्र. अनुसंधान की प्रक्रिया.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1960. 13) सिन्हा, सावित्री. अनुसंधान का स्वरूप.आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 1954.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी शोध के इतिहास से परिचित होंगे। • विद्यार्थी शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत होंगे। • विद्यार्थी शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित होंगे। • विद्यार्थी पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-601
पाठ्यक्रम का शीर्षक: अकादमिक लेखन
श्रेयांक : 04 (60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अकादमिक लेखन की सामान्य जानकारी तथा रुचि अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• अकादमिक लेखन से परिचित कराना। • अकादमिक लेखन के विविध आयामों से अवगतकराना। • अकादमिक लेखन की नैतिक ज़िम्मेदारियों को समझाना। • अकादमिक लेखन का अनुप्रयोग कराना।	
पाठ्य विषय	**1. अकादमिक लेखन : सामान्य परिचय** • अकादमिक : अवधारणा एवं स्वरूप • अकादमिक लेखन के सामान्य नियम • अकादमिक लेखन का महत्त्व • अकादमिक लेखन और रचनात्मक लेखन में अंतर	**15**
	2. अकादमिक लेखन : विविध आयाम • परिकल्पना एवं उद्देश्य • शोध सार लेखन • शोध प्रविधियाँ : चयन एवं अनुप्रयोग • साहित्यिक पुनर्विलोकन : प्रक्रिया एवं उपलब्ध माध्यम • भावानुवाद • संदर्भों एवं उद्धरणोंकी विविध पद्धतियाँ (एम॰एल॰ए॰ तथा महत्त्वपूर्ण हिंदी पत्रिकाओं में प्रयुक्त पद्धतियाँ)	**25**
	3. अकादमिक लेखन : नैतिक ज़िम्मेदारियाँ • साहित्यिक चौर्य : अर्थ एवं परिणाम • साहित्यिक चौर्य की जाँच के संसाधन • साहित्यिक चौर्य रहित लेखन	**10**
	4. लघु शोध प्रस्ताव लेखन	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) आहुजा,राम.सामाजिक अनुसंधान.रावत पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्युटर्स,नई दिल्ली, 2008.	

	2) ओ'लियरी, ज़िना. रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन. सेज, नई दिल्ली, 2017. 3) कुमार,रंजीत. शोध कार्यप्रणाली. सेज, नई दिल्ली, 2017. 4) गणेशन,एस॰एन॰अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया.लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली,2021. 5) गुप्त, डॉ॰ उमाकांत एवं अन्य (सं॰). अनुसंधान स्वरूप और आयाम. वाणी प्रकाशन, 2016. 6) सिल्वरमैन, डेविड. गुणात्मक अनुसंधान. सेज, नई दिल्ली, 2018.	
अधिगम परिणाम	• अकादमिक लेखन का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। • अकादमिक लेखन के विविध आयामों से परिचित होंगे। • अकादमिक लेखन की नैतिक ज़िम्मेदारियों को समझेंगे। • अकादमिक लेखन का व्यावहारिक अनुप्रयोग करने में सक्षम होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-602

पाठ्यक्रम का शीर्षक: तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी के साथ किन्हीं दो भाषाओं का ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना। • तुलनात्मक अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य के अंतस्संबंधों से अवगतकराना। • तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधियों से परिचितकराना। • भारतीय एवं विश्व-साहित्य के अंतस्संबंधोंसे अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1. तुलनात्मक अध्ययन** • तुलना : अर्थ एवं स्वरूप • तुलनात्मक अध्ययन : अवधारणा एवं स्वरूप • तुलनात्मक अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य के अंतस्संबंध • स्वतंत्र अनुशासन के रूप में तुलनात्मक साहित्य का विकास • तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व	**18**
	2. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के विविध स्कूल • फ़्रांसीसी स्कूल • जर्मन स्कूल • अमेरिकन स्कूल	**12**
	3. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधियाँ • सादृश्य-संबंधात्मक प्रविधि • परंपरा प्रविधि • प्रभावसूत्रों की प्रविधि • स्वीकृति प्रविधि	**10**
	4. तुलनात्मक अध्ययन: विविध आयाम • तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य • तुलनात्मक साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन • तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद का महत्त्व	**20**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) एस॰, ग़ुलाम रसूल, कृष्णमूर्ति, सरगु. तुलनात्मक अनुसंधान एवं उसकी समस्याएँ.हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ, 1980. 2) चौधरी, इंद्रनाथ. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका. कानपुर प्रकाशन, 1998. 3) जैन, डॉ॰ रवींद्र कुमार. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम. नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली, 2008.	

	4) नगेंद्र, तुलनात्मक साहित्य. नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली, 1985. 5) पाटिल, आनंद, अनुवाद - चंद्रलेखा, तुलनात्मक साहित्य नए सिद्धांत एवं उपयोजन, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, 2006. 6) मांद्रेकर, डॉ॰ वृषाली. मार्कंडेय एवं पुंडलीक नायक का कथा साहित्य. विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2010. 7) राजूरकर भ॰ह॰,डॉ॰नवलकिशोर. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप एवं समस्याएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004. 8) राजूरकर भ॰ह॰, बोरा, राजमल. हिंदी अनुसंधान का स्वरूप. 9) रेनेवेलेक, अनु॰ इंद्रनाथ मदान, आलोचना की धारणाएँ, हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़, 1978. 10) शुक्ल, हनुमानप्रसाद (सं॰). तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य. राजकमल प्रकाशन, 2015. 11) Das, Sisir Kumar. A History of Indian literature (Vol.VII-VIII). Sahitya Akademi, New Delhi, 1991-1995. 12) Majumdar, Swapan. Comparative Literature: Indian Dimension. Papyrus, Calcutta, 1987. 13) Owen A. Aldridge (Ed.) Comparative Literature: Matter and Method. University of Illinois Press, Urbana, 1964. 14) Prawer, S.S. Comparative Literature studies. Gerald Duckworth & Co. Ltd. London, 1973.	
अधिगम परिणाम	• तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा से परिचित होंगे। • तुलनात्मक साहित्य के इतिहास से अवगत होंगे। • तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधियों का ज्ञान प्राप्त होगा। • भारतीय एवं विश्वसाहित्य के अंतस्संबंध को जानकर साहित्य का उचित विश्लेषण करना सीख सकेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-603

पाठ्यक्रम का शीर्षक:साहित्य : विचार एवं दर्शन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भारतीय-पाश्चात्त्य मनीषियों एवं चिंतकों के वैचारिक तथा दार्शनिक मान्यताओं का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना। • साहित्य के विश्लेषण में सहायक, भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित कराना। • हिंदी साहित्य पर पाश्चात्त्य चिंतन परंपरा के प्रभाव को स्पष्ट कराना। • आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1.** दर्शन: अवधारणा,स्वरूप एवं महत्त्व	**06**
	2. भारतीय दर्शन • षड्दर्शन: सांख्य दर्शन, योग दर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, मीमांसा दर्शन, वेदांत दर्शन • प्रतिनिधि दर्शन: बौद्ध दर्शन,जैन दर्शन, चार्वाक दर्शन	**18**
	3. आधुनिक पाश्चात्त्य दर्शन • मार्क्सवाद • मनोविश्लेषणवाद • अस्तित्ववाद	**18**
	4. आधुनिक भारतीय दार्शनिक • महात्मा गांधी • भीमराव आंबेडकर • राममनोहर लोहिया • सावित्रीबाई फुले	**18**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,चर्चा,वाद-विवाद, संवाद,स्वाध्याय,संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) उपाध्याय, बलदेव.भारतीय दर्शन की रूपरेखा.चौखंभा ओरियंटालिया, 1979. 2) कोसंबी, धर्मानंद. बुद्ध:जीवन और दर्शन. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1982. 3) गैरोला, वाचस्पति.भारतीय दर्शन.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1966. 4) नंदा, बलराम (अनुवाद:गुप्त, वीरेंद्रकुमार). गांधी और उनके आलोचक. सारांश प्रकाशन, प्रा॰ लि॰, दिल्ली, 1997. 5) बनकर, कु॰ शांताबाई रघुनाथराव, शिंदे, विश्वनाथ, कुंभोजकर,	

	श्रद्धा. समाजभूषण कै॰ सौ॰ सावित्रीबाई जोतीराव फुले यांचे अल्प चरित्र. इतिहास विभाग और महात्मा जोतीराव फुले अध्यासन, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, 2021. 6) बर्न्स, एमिल (अनुवादक: संगल, ओमप्रकाश). मार्क्सवाद क्या है. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008. 7) मून, वसंत(अनुवाद: पांडेय, प्रशांत). डॉ॰ बाबासाहेब आंबेडकर. नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 1991. 8) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. उपनिषदों का संदेश. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 1997. 9) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. गौतम बुद्ध-जीवन दर्शन. मंजुल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1899. 10) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 1. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2012. 11) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 2. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2013. 12) रुबिचेक, पॉल(अनुवादक: माचवे, डॉ॰ प्रभाकर). अस्तित्ववाद: पक्ष और विपक्ष. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1973. 13) लिमये, मधु. डॉ॰ आंबेडकर: एक चिंतन. मुंबई रचना प्रकाशन, मुंबई, 1986. 14) लोहिया, राममनोहर. समाजवाद. प्रेस्टीज पब्लिकेशन, पुणे, 1993. 15) वुल्फ़, लेनी (अनुवाद: मिश्र, विश्वनाथ). क्रांति का विज्ञान. परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ, 2003. 16) शंकर, शोभा. आधुनिक भारतीय समाजवादी चिंतन. साहित्य भवन प्रा॰ लि॰, इलाहाबाद, 1980. 17) शर्मा, हरवंश.भारतीय दर्शन परंपरा और आदिग्रंथ.ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली, 1972. 18) शाही, योगेंद्र. अस्तित्ववाद: किर्केगार्ड से कामू तक. मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली, 1978. 19) शिशिर, कर्मेंदु. राधामोहन गोकुल समग्र. अनामिका पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली, 2009. 20) सांकृत्यायन, राहुल.दर्शनदिग्दर्शन. किताब महल, नई दिल्ली, 1994. 21) सांकृत्यायन, राहुल. बुद्धिज़्म: द मार्क्सिस्ट अप्रोच. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1970.	
अधिगम परिणाम	• दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे। • भारतीयचिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी। • पाश्चात्त्यदार्शनिकों के मतों से अवगत होंगे। • आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-604

पाठ्यक्रम का शीर्षक:समकालीन हिंदी कविता: व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी कविता तथा उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• समकालीन हिंदी कविता की संवेदना एवं स्वरूप से अवगत कराना। • समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित कराना। • समय और समाज के यथार्थ को कविता के माध्यम से समझाना। • समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगतकराना।	
पाठ्य विषय	**1. समकालीन हिंदी कविता : अवधारणा एवं स्वरूप** • समकालीन हिंदी कविता : प्रवृत्तियाँ • विविध काव्यांदोलन	**10**
	2. चयनित कवि एवं उनकी कविताएँ : 1. रघुवीर सहाय • बसंत • हँसो-हँसो जल्दी हँसो • आत्महत्या के विरुद्ध • हिंसा • लोग भूल गए हैं	**10**
	2.धूमिल • मकान • शांति पाठ • रोटी और संसद • प्रौढ़ शिक्षा • पटकथा	**10**
	3.दुष्यंत कुमार • कहाँ तो तय था चिराग़ाँ हरेक घर के लिए • अगर ख़ुदा न करे सच ये ख़्वाब हो जाए • चाँदनी छत पर चल रही होगी • भूख है तोसब्र कर रोटी नहीं तो क्या हुआ • अपाहिज व्यथा को वहन कर रहा हूँ	**10**
	4. राजेश जोशी • मारे जाएँगे • नाना की साइकिल • कंधे • आठ लफ़्गों और एक पागल औरत का गीत • प्लेटफ़ॉर्म पर	**10**

	5. कात्यायनी • स्त्री का सोचना एकांत में • एक दिन तुम आना • वाहक जीवन-दाह • अपराजिता • शहर को चुनौती	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,चर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, स्वाध्याय, दृश्य श्रव्य	
निर्धारित पाठ्य सामग्री **संदर्भ ग्रंथ सूची**	2) कात्यायनी. सात भाइयों के बीच चंपा. आधार प्रकाशन, पंचकुला, 1999. 3) कुमार, दुष्यंत. साये में धूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013. 4) जोशी, राजेश. नेपथ्य में हँसी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994. 5) धूमिल. संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, 1992. 6) सहाय, रघुवीर. प्रतिनिधि कविताएँ(सं॰).सुरेश शर्मा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012. 1) कुमार, विजय (सं॰). सदी के अंत में कविता : उद्भावना कवितांक. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, अक्तूबर 1997 - मार्च 1998. 2) चतुर्वेदी, रामस्वरूप: नई कविताएँ : एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990. 3) जैन निर्मला: आधुनिक साहित्य: मूल्य और मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993. 4) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 5) नवल, नंदकिशोर. समकालीन काव्य-यात्रा. किताबघर, नई दिल्ली, 1994. 6) पांडेय, डॉ॰ रतन कुमार. समकालीन कविता संवेदना और शिल्प, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1996. 7) पांडेय, डॉ॰ सुरेशचंद्र, तिवारी, डॉ॰ उमाशंकर (सं॰). समकालीन काव्य. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1998. 8) ‘मानव’ विश्वंभर, शर्मा, रामकिशोर. आधुनिक कवि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2008. 9) मिश्र, ब्रह्मदेव और मिश्र, शिवकुमार (सं॰). धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018. 10) मिश्र, रवींद्रनाथ. अंतिम दशक की हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2013. 11) शर्मा, श्रीनिवास. हिंदी साहित्य : समकालीन परिदृश्य. नवागत प्रकाशन, कलकत्ता, 1988. 12) श्रीवास्तव, परमानंद. समकालीन हिंदी कविता. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2021.	
अधिगम परिणाम	• समकालीन हिंदी कविता की संवेदना को सामझेंगे। • समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । • समकालीन हिंदी कविता के विभिन्न कवियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगत होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-605

पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी गद्य : विविध विमर्श

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी गद्य साहित्य में निहित विविध विमर्शों की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• हिंदी गद्य साहित्य के विविध विमर्शों से परिचित कराना। • विविध विमर्शों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत कराना। • विमर्श के अंतर्गत आए विविध आंदोलन, उसकी पृष्ठभूमि, विचारधारा और सैद्धांतिकी का अध्ययन कराना। • विविध विमर्श के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाओं से परिचय कराना।	
पाठ्य विषय	1. विमर्श : अवधारणा, स्वरूपएवं महत्त्व	**05**
	2. दलित विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • विविध दलित आंदोलन और साहित्य • निर्धारित रचना ओमप्रकाश वाल्मीकि -'सलाम'	**15**
	3. स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • स्त्री आंदोलन : भारतीय एवं पाश्चात्त्य संदर्भ • निर्धारित रचना मीरा कांत- नेपथ्य राग	**20**
	4. आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • विस्थापन और उनका संघर्ष • निर्धारित रचना महुआ माजी - मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ	**10**
	5. किन्नर विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • निर्धारित रचना लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी - मैं हिजड़ामैं लक्ष्मी	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,वाद-विवाद, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण,स्वाध्याय,साक्षात्कार	

सहायक ग्रंथ सूची **संदर्भ ग्रंथ सूची**	1) कांत,मीरा.नेपथ्य राग.भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली,2004. 2) त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण. मैं हिजड़ामैं लक्ष्मी. वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2015. 3) माजी,महुआ.मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012. 4) वाल्मीकि,ओमप्रकाश.सलाम.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,2000. 1) उपाध्याय, रमेश (सं॰). आज का स्त्री आंदोलन. शब्द संधान, दिल्ली, 2004. 2) गुप्ता, रमणिका. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी. वाणी प्रकाशन, 2002. 3) चव्हाण, डॉ॰अर्जुन.विमर्श के विविध आयाम.वाणी प्रकाशन, 2008. 4) टेटे, वंदना. आदिवासी दर्शन और साहित्य. विकल्प प्रकाशन, 2016. 5) टेटे, वंदना. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन. नोशन प्रेस, 2021. 6) तलवार, वीर भारत. झारखंड के आदिवासियों के बीच. भारतीय ज्ञानपीठ, 2019. 7) तिवारी, डॉ॰ पूजा. उत्तरशती के साहित्यिक विमर्श. नोशन प्रेस, 2020. 8) पांडेय, मैनेजर. साहित्य और दलित दृष्टि. 9) पालीवाल, कृष्णदत्त. दलित साहित्य विमर्श. सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, 2018. 10) पुन्नीसिंह. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, 2003. 11) मालती के॰ एस॰. स्त्री विमर्श :भारतीय परिप्रेक्ष्य. 12) मीणा,हरिराम. आदिवासी दर्शन और समाज. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2020. 13) लिंबाले, डॉ॰ शरणकुमार. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2000. 14) विप्लवी, बी॰ आर॰. दलित दर्शन की वैचारिकी. वाणी प्रकाशन. 15) व्होरा, डॉ॰ आशारानी. भारतीय नारी दशा और दिशा. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2004. 16) शर्मा, नासिरा. औरत के लिए औरत. 17) शर्मा, श्रीमती मंजू. नारी के प्रति अत्याचार एवं मानवाधिकार. मार्क पब्लिशर्स, जयपुर, 2009. 18) सिंह पी॰ एन॰. हिंदी दलित साहित्य. लोकभारती प्रकाशन, 2019. 19) सिंह, शरद. थर्ड जेंडर विमर्श. सामसिक प्रकाशन, 2019.	.

अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी गद्य के विविध विमर्श के परिचित होंगे। • विद्यार्थी विविध विमर्श से जुड़े समस्याओं का आकलन करेंगे। • विद्यार्थी विविध विमर्शों के आंदोलन, पृष्ठभूमि, विचारधारा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विमर्शों से जुड़े रचनाकार तथा रचनाओं को समझेंगे।	

सत्र III

पाठ्यक्रम: HIN-621

पाठ्यक्रम का शीर्षक:स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य का इतिहास

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी काव्य के इतिहास की जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य के इतिहास से परिचित कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के युगीन परिवेश को स्पष्ट कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आंदोलनोंसे अवगत कराना। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आयामों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** • भारतेंदु युगीन काव्य • द्विवेदी युगीन काव्य • छायावाद • प्रगतिवाद • प्रयोगवाद	**10**
	2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता का युगीन परिवेश • सन् 1947 से सन् 1975 तक • सन् 1975 से सन् 1990 तक • सन् 1990 से सन् 2000 तक • सन् 2000 से सन् 2020 तक	**20**
	3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : विविध आंदोलन • नई कविता • साठोत्तरी कविता - अकविता, सहज कविता,समांतर कविता, जनवादी कविता आदि।	**12**
	4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : विविध आयाम • भूमंडलीय कविता • दलित कविता • स्त्री कविता • आदिवासी कविता	**18**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, स्वाध्याय, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, अजय. दलित पैंथर आंदोलन, गौतम बुक सेंटर. दिल्ली, 2006. 2) खेतान, प्रभा. बाज़ार के बीच बाज़ार के ख़िलाफ़. विद्यानिधि, दिल्ली, 2004. 3) गुलाबराय, बाबू. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास.	

	लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा, 2009. 4) डॉ॰ नगेंद्र, डॉ॰ हरदयाल. हिंदी साहित्य का इतिहास. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2017. 5) दीक्षित, डॉ॰ प्रभा, भूमंडलीकरण का अमानवीय चेहरा. सरस्वती प्रकाशन, कानपुर, 2016. 6) द्विवेदी, डॉ॰ हज़ारी प्रसाद. हिंदी साहित्य की भूमिका. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 7) पंडित, सुरेश. भूमंडलीकरण के दौर में समाज और संस्कृति. शिल्पायन, दिल्ली, 2010. 8) पांडेय, प्रभात (सं॰). हिंदी कविता आज़ादी के बाद. प्रतिध्वनि, कोलकाता, 2007. 9) प्रकाश, उदय. कवि ने कहा. किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002. 10) प्रियदर्शन. ग्लोबल समय में कविता. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014. 11) भास्कर, कुमार. भूमंडलीकरण और स्त्री. संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2008. 12) मंडलोई, लीलाधर (सं॰) कविता के सौ बरस. शिल्पायन, दिल्ली, 2008. 13) मुक्तिबोध, गजानन माधव. नई कविता का आत्मसंघर्ष और अन्य निबंध. विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 1964. 14) वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर. हिंदी साहित्य का इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009. 15) वाल्मीकि, ओमप्रकाश. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन. दिल्ली, 2014. 16) शुक्ल, आचार्य रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास. प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 2003. 17) श्रीवास्तव, परमानंद. कविता का उत्तर जीवन. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004. 18) श्रीवास्तव, परमानंद. समकालीन हिंदी कविता. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 1990. 19) सिंह, डॉ॰ बच्चन. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996. 20) सिंह, प्रो॰ नामवर. कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014.	
अधिगम परिणाम	• स्वतंत्रतापूर्व हिंदी काव्य के इतिहास से परिचित होंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के युगीन परिवेश को समझ सकेंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आंदोलनों से अवगत होंगे। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-622

पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी गद्य का इतिहास

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	साहित्यिक गद्य विधाओं का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• हिंदी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि से परिचित कराना। • हिंदी के प्रमुख गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना। • गद्य की अन्य प्रकीर्ण विधाओं के उद्भव एवं विकास का विस्तृत परिचय देना। • हिंदी साहित्य के विकास में गद्य विधाओं की भूमिका एवं उसके महत्त्व को समझाना।	
पाठ्य विषय	1. हिंदी गद्य साहित्य: पृष्ठभूमि	**05**
	2. हिंदी उपन्यास: उद्भव एवं विकास	**05**
	3. हिंदी कहानी: उद्भव एवं विकास	**05**
	4. हिंदी नाटक: उद्भव एवं विकास	**05**
	5. हिंदी आलोचना: उद्भव एवं विकास	**10**
	6. गद्य की अन्य प्रकीर्ण विधाओं का उद्भव एवं विकास • निबंध • यात्रा वर्णन • संस्मरण • जीवनी • आत्मकथा • डायरी • पत्र साहित्य • रेखाचित्र • साक्षात्कार	**30**

अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, वाद-विवाद, संवाद, स्वाध्याय, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) चतुर्वेदी, रामस्वरूप. गद्य विन्यास और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996. 2) जैन, निर्मला. हिंदी उपन्यास : 1950 के बाद. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1987. 3) डॉ॰ नगेंद्र, डॉ॰ हरदयाल (सं॰). हिंदी साहित्य का इतिहास. मयूर पेपरबैक्स, नोएडा, 2018. 4) तिवारी, रामचंद्र. हिंदी का गद्य साहित्य. चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987. 5) त्रिपाठी, विश्वनाथ. कहानी के साथ-साथ. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. 6) प्रकाश, अरुण. गद्य की पहचान. अंतिका प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 7) मधुरेश. हिंदी कहानी का विकास. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018. 8) राय, गोपाल. हिंदी उपन्यास कोश. ग्रंथ निकेतन, पटना, 1968. 9) राय, गोपाल. हिंदी कथा साहित्य. ग्रंथ निकेतन, पटना, 1965. 10) राय, गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-1 (1900 से 1950). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 11) राय, गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-2 (1951 से 1975). राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014. 12) राय, गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-3 (1976 से 2010). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 13) सिंह, नामवर. आधुनिक हिंदी उपन्यास. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 14) सिंह, पुष्पपाल. समकालीन कहानियाँ: नया परिप्रेक्ष्य. सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011. 15) सिंह, बच्चन. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2020. 16) सिंह, बच्चन. हिंदी नाटक. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1989.	
अधिगम परिणाम	• हिंदी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे। • हिंदी के प्रमुख गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास से अवगत होंगे। • गद्य की अन्य प्रकीर्ण विधाओं के उद्भव एवं विकास की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे। • हिंदी साहित्य के विकास में गद्य विधाओं की भूमिका एवं उसके महत्त्व को समझेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-623
पाठ्यक्रम का शीर्षक:भारतीय साहित्य
श्रेयांक:04 (60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• भारतीय साहित्य तथा भारतीय साहित्यकारों की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• भारतीय साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित कराना। • भारतीय साहित्य के महत्त्व से अवगत कराना। • भारतीय साहित्य की अध्ययन की सीमाएँ स्पष्ट कराना। • भारतीय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्यिक योगदान से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. भारतीय साहित्य** • भारत एवं भारतीयता की संकल्पना • भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व • भारतीय साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना • भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ	**20**
	2. निर्धारित रचनाएँ • अमृता प्रीतम- प्रतिनिधि कविताएँ • इस्मत चुग़ताई- प्रतिनिधिकहानियाँ • लक्ष्मण गायकवाड- उचक्का • दामोदर मावज़ो- स्वप्न प्रेमी • सलमान रश्दी - आधी रात की संतानें • बादल सरकार - पगला घोड़ा	**40**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) गायकवाड, लक्ष्मण. उचक्का. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 2) चुग़ताई, इस्मत. प्रतिनिधि कहानियाँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020. 3) प्रीतम, अमृता. प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. 4) मावज़ो, दामोदर. स्वप्न प्रेमी. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022. 5) रश्दी, सलमान. आधी रात की संतानें. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 6) सरकार, बादल. पगला घोड़ा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014. 1) गौतम, मूलचंद (सं॰). भारतीय साहित्य. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,	

संदर्भ ग्रंथ सूची	2017. 2) तिवारी, सियाराम (सं॰). भारतीय साहित्य की पहचान. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015. 3) नगेंद्र.भारतीय साहित्य.प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली,2004. 4) मांद्रेकर, डॉ॰ वृषाली. भारतीय साहित्य की मानवतावादी धाराएँ. विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2015. 5) मिश्र, राजेंद्र. भारतीय साहित्य की अवधारणा. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006. 6) शर्मा,रामविलास.भारतीय साहित्य की भूमिका.राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2009. 7) शर्मा,रामविलास. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012. 8) शांति, आर॰ आई॰ एवं अन्य (सं॰). भारतीय साहित्य. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 9) श्रीधर, प्रदीप. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 10) सच्चिदानंदन, के॰. भारतीय साहित्य स्थापनाएँ एवं प्रस्थापनाएँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003.	
अधिगम परिणाम	• भारतीय साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित होंगे। • भारतीय साहित्य के महत्त्व से अवगत होंगे। • भारतीय साहित्य की अध्ययन की सीमाओं से अवगत होंगे। • भारतीय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्यिक योगदान को समझेंगे ।	

पाठ्यक्रम: HIN-624

पाठ्यक्रम का शीर्षक:जनसंचार एवं पत्रकारिता

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	जनसंचार और पत्रकारिता की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• पत्रकारिता के स्वरूप तथा विविध क्षेत्रों से परिचित कराना। • पत्रकारिता के विविध माध्यमों एवं उनकी उपयोगिता से अवगत कराना। • पत्रकारिता से संबंधित नवीन तकनीकों से परिचित कराना। • पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी पत्रकारिता** • हिंदी पत्रकारिता : उद्भव एवं विकास • स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता • स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता	**08**
	2. मुद्रित माध्यम • समाचार पत्र : उद्भव एवं विकास • समाचार के स्रोत, संकलन, संपादन और प्रूफ़ पठन • समाचार पत्र : मुद्रण प्रक्रिया • पत्र-पत्रिकाएँ	**12**
	3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम • रेडियो: उद्भव एवं विकास • रेडियो समाचार वाचन • टेलीविज़न : उद्भव एवं विकास • टेलीविज़न समाचार वाचन • रिपोर्टिंग : स्वरूप एवं प्रकार	**15**
	5. मीडिया लेखन • रेडियो लेखन, टेलीविज़न लेखन,साक्षात्कार लेखन, धारावाहिक लेखन, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन, वृत्तचित्र लेखन	**12**
	6. नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम • इंटरनेट: उद्भव और विकास • ई-समाचार पत्र, ई-पत्रिकाएँ • सोशल मीडिया	**05**

	7. व्यावहारिक पक्ष क्षेत्र भेंट- रेडियो, टेलीविज़न, समाचारपत्र आदि के कार्यालय	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, प्रस्तुतीकरण, विशेषज्ञों द्वारा कार्यशाला, कंप्यूटर का प्रयोग	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कंडवाल, चक्रधर. रेडियो पत्रकारिता. ग्रीनफ़ील्ड्स पब्लिशर्स, देहरादून, 2010. 2) कपूर, बदरीनाथ, रत्नेश, डॉ॰ आर॰, अवस्थी, डॉ॰ शिवकुमार. हिंदी पत्रकारिता की शब्द संपदा. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 3) कुमुदनगर. टेलीविज़न लेखन: सिद्धांत और प्रयोग. भारत प्रकाशन, लखनऊ. 4) कोठारी, गुलाब. समाचार पत्र का प्रबंधन. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008. 5) गंगाधर, मधुकर. रेडियो लेखन. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना. 6) गोदरे, विनोद. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 7) चव्हाण, अर्जुन. मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2005. 8) चव्हाण, अर्जुन. विश्वमंच पर हिंदी : विविध आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021. 9) जैन, प्रो॰ रमेश. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण. मंगलदीप पब्लिकेशन, जयपुर. 10) जोशी, डॉ॰ रामशरण. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा. सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991. 11) झिंगरन, प्रभु. मोबाइल पत्रकारिता : अवधारणा, संभावनाएँ और तकनीक. भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2021. 12) डॉ॰ राजकिशोर. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे 13) तिवारी, डॉ॰ अर्जुन. संपूर्ण पत्रकारिता. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2018. 14) तिवारी, डॉ॰ अर्जुन. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020. 15) त्रिपाठी, डॉ॰ रमेशचंद्र. पत्रकारिता के सिद्धांत. अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली. 16) पंत, डॉ॰ नवीनचंद्र. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत. कनिष्का पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली. 17) पचौरी, सुधीर, शर्मा, अचला. नए जन-संचार माध्यम और हिंदी. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008. 18) प्रो॰ हरिमोहन. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 19) मिश्र, कृष्णबिहारी. हिंदी पत्रकारिता. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011. 20) रैणा, गौरीशंकर. संचार माध्यम लेखन. वाणी प्रकाशन, नई	

	दिल्ली, 2009. 21) वर्मा, सुजाता. पत्रकारिता: प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि. आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2005. 22) वैदिक, डॉ॰ वेदप्रसाद. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम. 23) सिंह, डॉ॰ अजय कुमार. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2014. 24) सिंह, डॉ॰ जितेंद्र कुमार, कुमारी, डॉ॰ नीकू. पत्रकारिता के विविध आयाम. एज्युकेशनल बुक सर्विस, 2022. 25) सिंह, संजय कुमार. पत्रकारिता : जो मैंने देखा, जाना, समझा. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017.	
अधिगम परिणाम	• पत्रकारिता के स्वरूप तथा विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे। • पत्रकारिता के विविध माध्यमों एवं उनकी उपयोगिता से परिचित होंगे। • पत्रकारिता से संबंधित नवीन तकनीकों से परिचित होंगे। • पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी।	

पाठ्यक्रम: HIN-625

पाठ्यक्रम का शीर्षक: रचनात्मक लेखन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	रचनात्मक लेखन की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझाना। • रचनात्मक लेखन के विधागत और भाषागत तत्त्वों का अध्ययन कराना। • विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन करने में सक्षम कराना। • रचनात्मक लेखन में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देना।	
पाठ्य विषय	**1.रचनात्मक लेखन: सैद्धांतिक पक्ष** • अवधारणा, स्वरूप, आधार तत्त्व एवं महत्त्व • रचनात्मक लेखन: प्रकार एवं तत्त्व (कविता, कथात्मक गद्य, कथेतर गद्य, बाल साहित्य लेखन, नाटक, एकांकी, एकालाप, नुक्कड़ नाटक, सूचनातंत्र के लिए लेखन, पुस्तक समीक्षा, भाषण, सूत्र-संचालन,कंटेंट लेखन, कॉमिक, ग्राफ़िक उपन्यास आदि) • भाषा सौष्ठव के विविध तत्त्व:अलंकार, प्रतीक, बिंब आदि। • रचनात्मक लेखन का अभ्यास • रचनात्मक लेखन के लिए उपलब्ध मंच एवं व्यावसायिक अवसर	**20**
	2. रचनात्मक लेखन: व्यावहारिक प्रयोग • कविता • कहानी • निबंध • लघु नाटक • नुक्कड़ नाटक • बाल साहित्य लेखन • भाषण • सूत्र-संचालन • कंटेंट लेखन • कॉमिक स्ट्रिप	**40**

अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अलि,डॉ॰ आबिद एवं अन्य.लेखन कला: सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ.निर्मल पब्लिशिंगहाउस,कुरुक्षेत्र,2017. 2) गौतम, रमेश(सं॰).रचनात्मक लेखन.भारतीय ज्ञानपीठ. नई दिल्ली, 2016. 3) पाटिल, डॉ॰ आनंद.सृजनात्मक लेखन.पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, 2009. 4) प्रतिमा, भारद्वाज, प्रवीन.रचनात्मक लेखन.श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2018.	
अधिगम परिणाम	• रचनात्मक लेखन के स्वरूप को समझेंगे। • रचनात्मक लेखन के विधागत और भाषागत तत्त्वों का अध्ययन करेंगे। • विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन करने में सक्षम होंगे। • रचनात्मक लेखन में उपलब्ध व्यावसायिक क्षेत्रों में नौकरी करने में सक्षम होंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-626

पाठ्यक्रम का शीर्षक:प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	प्रयोजनमूलक हिंदी की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध पहलुओं की जानकारी देना। • हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत कराना। • राजभाषा प्रबंधन संबंधी जानकारी देना। • कार्यालयी हिंदी, कंप्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण देना।	
पाठ्य विषय	**1. प्रयोजनमूलक हिंदी** • परिभाषा, स्वरूप और विभिन्न प्रयोग। • खड़ी बोली का विकास और प्रशासनिक भाषा। • हिंदी भाषा के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, यांत्रिक भाषा।	**10**
	2. हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति • संविधान में राजभाषा हिंदी संबंधी प्रावधान • राजभाषा अधिनियम 1963, 1976 • राजभाषा कार्यान्वयन की विविध दिशाएँ	**10**
	3. राजभाषा प्रबंधन • राजभाषा कार्मिकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण • राजभाषा संबंधी वित्त प्रबंधन • राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन	**10**
	4. कार्यालयी हिंदी : स्वरूप, महत्त्व एवं प्रयोग • आलेखन • टिप्पण • अधिसूचना • आदेश • परिपत्र • ज्ञापन	**10**

	5. पत्र-लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली • सरकारी पत्र • अर्धसरकारी पत्र • आवेदन पत्र • व्यावसायिक पत्र • पारिभाषिक शब्दावली : आवश्यकता एवं विकास	**10**
	6. कंप्यूटर : हिंदी भाषा तथा अनुवाद • कंप्यूटर : विकास, क्षेत्र और महत्त्व • हिंदी टंकण - रेमिंगटन, फ़ोनेटिक और इनस्क्रिप्ट • हिंदी वेबसाइटें • संप्रेषण साधन - अनुवाद • संवैधानिक दस्तावेज़ों का अनुवाद	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, स्वाध्याय, प्रस्तुतीकरण, कंप्यूटर का प्रयोग, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुलश्रेष्ठ, विजय. प्रयोजनमूलक हिंदी. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 2) गोदरे, विनोद. प्रयोजनमूलक हिंदी. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 3) गोस्वामी, कृपाशंकर. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी. 4) जगन्नाथन, वी॰ रा॰. हिंदी प्रयोग और प्रयोग. 5) झाल्टे, दंगल. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 6) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ, चतुर्वेदी, महेंद्र. पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएँ. 7) पांडेय, कैलाश नाथ. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2017. 8) पांडेय, पृथ्वीनाथ. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी. 9) पाठक, अनिरुद्ध. प्रयोजनमूलक हिंदी. अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2017. 10) प्रो॰ विराज. प्रामाणिक आलेखन एवं टिप्पण. 11) बन्ने, डॉ॰ पंडित. प्रयोजनमूलक हिंदी के नए आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2019. 12) बाहरी, हरदेव. हिंदी उद्भव, विकास और रूप. किताब महल, नई दिल्ली, 2021. 13) भाटिया, कैलाशचंद्र. कामकाजी हिंदी. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021. 14) मंजू. प्रयोजनमूलक कार्यालयी हिंदी. गीता प्रकाशन, हैदराबाद, 2017. 15) मोहन, डॉ॰ आशा, शर्मा, डॉ॰ जगदीश. प्रयोजनमलूक हिंदी. साहित्य सरोवर, आगरा, 2017.	

अधिगम परिणाम	• प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। • हिंदी की संवैधानिक स्थिति को जान पाएँगे। • राजभाषा प्रबंधन संबंधी जानकारी प्राप्त होगी। • कार्यालयी हिंदी, कंप्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण प्राप्त होगा।	

पाठ्यक्रम: HIN-627
पाठ्यक्रम का शीर्षक:लोक-साहित्य
श्रेयांक: 04 (60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	लोक-साहित्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• लोक-साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना। • लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया को समझाना। • लोक-साहित्य के विविध रूपों से अवगत कराना। • लोक-साहित्य के माध्यम से भारतीय जनमानस से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. लोक-साहित्य** • लोक-साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप • लोक-साहित्य : महत्त्व एवं प्रासंगिकता • लोकवार्ता, लोक-साहित्य एवं लोकसंस्कृति	**10**
	2. लोक-साहित्य की परंपरा • लोक-साहित्य की परंपरा: भारतीय एवं पाश्चात्त्य • लोक-साहित्य के विविध रूप	**12**
	3. लोक-साहित्य एवं मुख्यधारा का साहित्य • साम्य, वैषम्य एवं प्रभाव	**04**
	4. लोक-साहित्य: अध्ययन प्रक्रिया • संकलन एवं समस्याएँ	**04**
	5. निर्धारित रचनाएँ • भारतीय लोककथाएँ - ए॰के॰ रामानुजन • बिदेसिया- भिखारी ठाकुर • धरती गाती है - देवेंद्र सत्यार्थी	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	

निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) ठाकुर, भिखारी. बिदेसिया.वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011. 2) रामानुजन, ए॰के॰ (सं॰). भारत की लोक-कथाएँ. नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, 2003. 3) सत्यार्थी, देवेंद्र. धरती गाती है. प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अग्रवाल, डॉ॰ वासुदेवशरण. पृथिवी-पुत्र. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018. 2) उपाध्याय, कृष्णदेव. लोक-साहित्य की भूमिका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019. 3) उप्रेती, कुंदनलाल. लोक-साहित्य के प्रतिमान. भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, 1971. 4) डॉ॰सत्येंद्र. लोक-साहित्य विज्ञान.शिवलाल अग्रवाल ऐंड कंपनी,आगरा,1971. 5) परमार,श्याम.भारतीय लोक-साहित्य.राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,1954. 6) सांकृत्यायन, राहुल एवं अन्य (सं॰) हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास - षोडश भाग, हिंदी का लोक-साहित्य. नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1957.	
अधिगम परिणाम	• लोक-साहित्य के स्वरूप को जान सकेंगे। • लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया को समझ सकेंगे। • लोक-साहित्य के विविध रूपों से अवगत होंगे। • लोक-साहित्य के माध्यम से भारतीय जनमानस को समझेंगे।	

पाठ्यक्रम: HIN-628

पाठ्यक्रम का शीर्षक:अनुवाद अध्ययन

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अनुवाद के अध्ययन हेतु दो-तीन भाषाओं का ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• अनुवाद के स्वरूप और प्रक्रिया से अवगत कराना। • अनुवाद की इकाइयों एवं भेदों से परिचित कराना। • अनुवाद की समस्याओं तथा साधनों की जानकारी देना। • अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन देना।	
पाठ्य विषय	**1. अनुवाद** • परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र • सिद्धांत एवं प्रक्रिया	**08**
	2. अनुवाद की इकाइयाँ • शब्द • पदबंध • वाक्य एवं पाठ	**08**
	3. अनुवाद के भेद • शब्दानुवाद • भावानुवाद • छायानुवाद • आशु अनुवाद	**08**
	4. अनुवाद की समस्याएँ • कार्यालयी अनुवाद • साहित्यिक अनुवाद (काव्य, कथा, नाटक एवं अन्य विधाएँ) • मीडियागत अनुवाद • मशीनी अनुवाद	**10**
	5. अनुवाद के साधन • शब्दकोश और उसके प्रकार • ई-शब्दकोश – हिंदी शब्दतंत्र, ई-महाशब्दकोश	**10**

	• पारिभाषिक शब्दावली • थिसॉरस (समांतर कोश) • इंटरनेट – गूगल ट्रांज़लेट	
	6. अनुवादक के गुण	**04**
	7. अनुवाद की प्रासंगिकता, महत्त्व एवं सीमाएँ	**04**
	8. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष अँग्रेज़ी से हिंदी, कोंकणी से हिंदी तथा मराठी से हिंदी	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, प्रस्तुतीकरण, स्वाध्याय, कार्यशाला, कंप्यूटर-इंटरनेट का प्रयोग	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, डॉ॰ सुरेश. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 2) चव्हाण, अर्जुन. अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021. 3) चव्हाण, अर्जुन. अनुवाद चिंतन. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021. 4) टंडन, डॉ॰ पूरनचंद्र, सेठी, हरिशकुमार. अनुवाद के विविध आयाम. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005. 5) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ, बाला, किरण. भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएँ. 6) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ. 7) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. अनुवाद विज्ञान. किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018. 8) नौटियाल, डॉ॰ जयंतीप्रसाद. अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार. 9) श्रीवास्तव, डॉ॰ गरिमा. आशु अनुवाद. संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 10) श्रीवास्तव, डॉ॰ रवींद्रनाथ, गोस्वामी, डॉ॰ कृष्णकुमार. अनुवाद सिद्धांत और समस्या. आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1985.	
अधिगम परिणाम	• अनुवाद के स्वरूप और प्रक्रिया से अवगत होंगे। • अनुवाद की इकाइयों एवं भेदों से परिचित होंगे। • अनुवाद के साधनों की जानकारी प्राप्त होगी। • अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।	

पाठ्यक्रम: HIN-629

पाठ्यक्रम का शीर्षक:उत्तर आधुनिक विमर्श

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता के अंतस्संबंध से परिचित कराना। • उत्तर आधुनिकता और बाज़ारवाद से अवगत कराना। • उत्तर आधुनिकता का साहित्य, राजनीति, समाज पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित कराना। • हाशिए के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1.आधुनिकता और आधुनिकतावाद: अवधारणा एवं स्वरूप।** • उत्तरआधुनिकता : उद्भव और विकास • उत्तर आधुनिक विमर्श • आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता का अंतस्संबंध • उत्तरआधुनिक विमर्श: बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण	**12**
	2. उत्तरआधुनिक विमर्श का अन्य क्षेत्रों से संबंध • साहित्य • राजनीति • समाज • संस्कृति • धर्म	**12**
	3. उत्तर आधुनिक विमर्श की परंपरा • स्त्री • दलित • आदिवासी • विस्थापन • अल्पसंख्यक	**12**

	4. निर्धारित रचनाएँ • उपन्यास वीरेंद्र जैन: डूब मनोहर श्याम जोशी: कुरु-कुरु स्वाहा.... • नाटक सुरेंद्र वर्मा: आठवाँ सर्ग • कहानियाँ उदय प्रकाश: तिरिछ पंकज बिष्ट: बच्चे गवाह नहीं हो सकते महेश कटारे: मुर्दा स्थगित स्वदेश दीपक : बाल भगवान • कविताएँ केदारनाथ सिंह: अकाल में दूब विष्णु खरे: सिर पर मैला ढोने की प्रथा सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ अनुज लुगुन: बाघ और सुगना मुंडा की बेटी	**24**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित पाठ्य सामग्री **संदर्भ ग्रंथ सूची**	1) जैन, वीरेंद्र. डूब.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 2) जोशी, श्याम. कुर-कुरु स्वाहा. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 3) प्रकाश, उदय. तिरिछ.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001. 4) लुगुन, अनुज. बाघ और सुगना मुंडा की बेटी. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019. 5) वर्मा, सुरेंद्र. आठवाँ सर्ग. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1977. 1) आर्य, साधना.मेनन, निवेदिता.जिनी लोकनीता(सं॰). नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे.हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2013. 2) कुमार, राधा. स्त्री संघर्ष का इतिहास(1800-1900),(अनुवाद एवं संपादन: रमाशंकर सिंह दिव्यदृष्टि). वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 3) खेतान, प्रभा. उपनिवेश में स्त्री मुक्ति कामना की दस वार्ताएँ.राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 4) जोशी, गोपा. भारत में स्त्री असमानता एक विमर्श.हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2011. 5) दुबे, अभय कुमार (सं॰). आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008. 6) दुबे, अभय कुमार (सं॰). भारत का भूमंडलीकरण.वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000. 7) दुबे, अभय कुमार (सं॰). समाज विज्ञान कोश भाग 1 से 6.राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016.	

	8) नारंग, गोपीचंद. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र.साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2005. 9) पचौरी,सुधीश. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श.वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000. 10) पचौरी,सुधीश. देरिदा का विखंडनवाद और साहित्य. वाणी प्रकाशन दिल्ली, 1997. 11) पचौरी,सुधीश. देरिदा विखंडन की सैद्धांतिकी.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 12) पांडेय, शशिभूषण. उत्तर आधुनिक बहुआयामी संदर्भ.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 13) पांडेय, शशिभूषण. भाषा-विमर्श: नव्य भाषा वैज्ञानिक संदर्भ.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2013. 14) पालीवाल, कृष्णदत्त. उत्तर आधुनिकता की ओर.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 15) श्रीवास्तव, रवि. उत्तर आधुनिकता.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2006. 16) सिंह, पुष्पपाल. भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 17) सिंह, सुधा. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ.ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2008.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी उत्तर आधुनिक विमर्श के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी आधुनिकता तथा उत्तर आधुनिकता के अंतस्संबंध से परिचित होंगे। • विद्यार्थी उत्तर आधुनिक विमर्श में भाषा की संरचना के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी नारीवाद के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।	